Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 8

सामाजिक विज्ञान

हमारे अतीत-III

अध्याय-4 : आदिवासी, दीकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना

अभ्यास प्रश्न

निर्मल सिंह



Under CSR Support by
ipca | Foundation

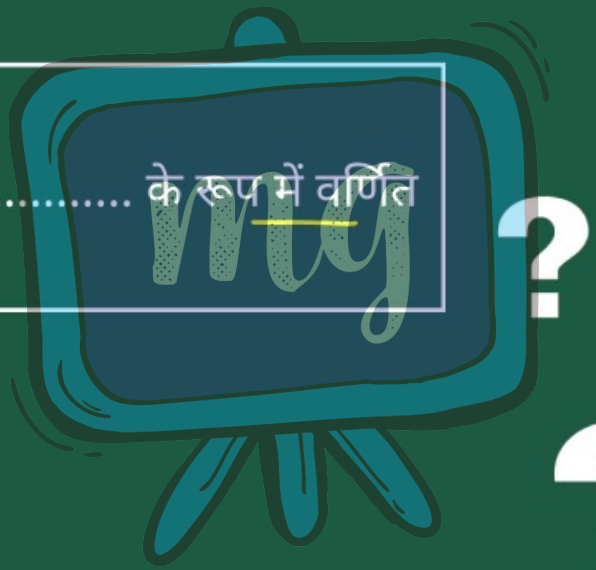
अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

फिर से याद करें

1 रिक्त स्थान भरें-

(क) अंग्रेज़ों ने आदिवासियों को ..... के रूप में वर्णित किया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 | (क) अंग्रेज़ों ने आदिवासियों को ..... के रूप में वर्णित किया।

उत्तर : जंगली या असभ्य



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 (ख) झूम खेती में बीज बोने के तरीके को ..... कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 | (ख) झूम खेती में बीज बोने के तरीके को ..... कहा जाता है।

उत्तर : छितराना / बिखेरना



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 (ग) मध्य भारत में ब्रिटिश भूमि बंदोबस्त के अंतर्गत आदिवासी मुखियाओं को ..... स्वामित्व मिल गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 (ग) मध्य भारत में ब्रिटिश भूमि बंदोबस्त के अंतर्गत आदिवासी मुखियाओं को ..... स्वामित्व मिल गया।

उत्तर : भूमि



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 (घ) असम के .....और बिहार की ..... में काम करने के लिए आदिवासी जाने लगे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 (घ) असम के .....और बिहार की ..... में काम करने के लिए आदिवासी जाने लगे।

उत्तर : चाय बागान, कोयला खादान



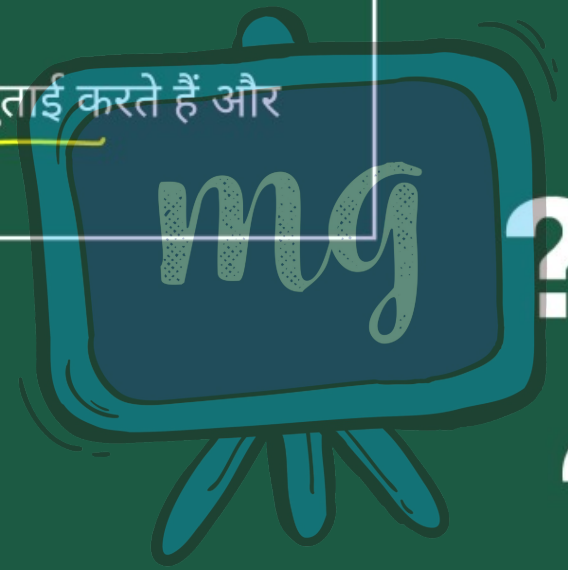
Under CSR Support by ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 सही और गलत बताएँ–

(क) झूम काश्तकार ज़मीन की जुताई करते हैं और बीज रोपते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

2 (क) झूम काश्तकार ज़मीन की जुताई करते हैं और बीज रोपते हैं।

उत्तर : गलत



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 (ख) व्यापारी संथालों से कृमिकोष खरीदकर उसे पाँच गुना ज़्यादा कीमत पर बेचते थे।



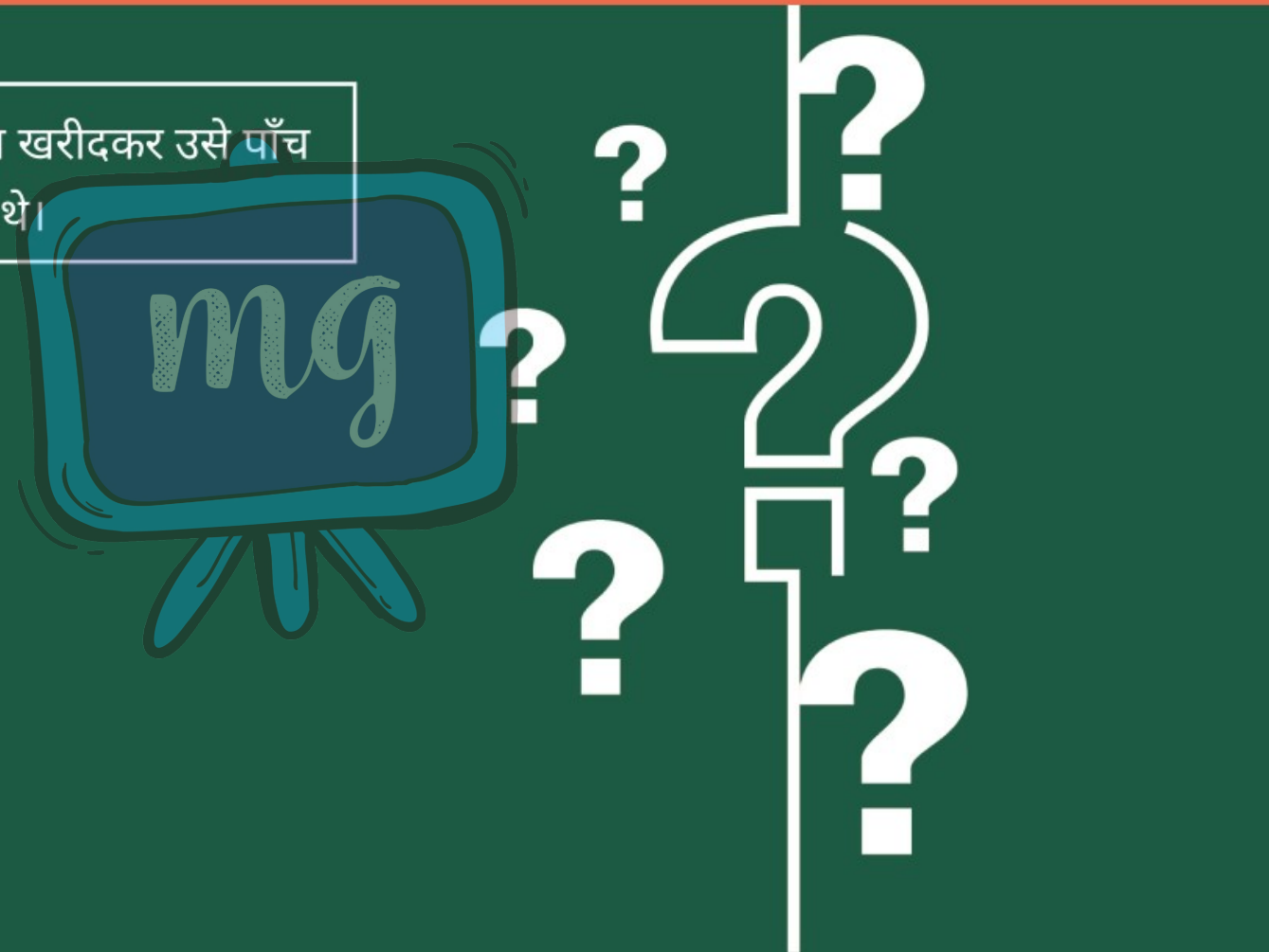
Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 (ख) व्यापारी संथालों से कृमिकोष खरीदकर उसे पाँच गुना ज़्यादा कीमत पर बेचते थे।

उत्तर : सही

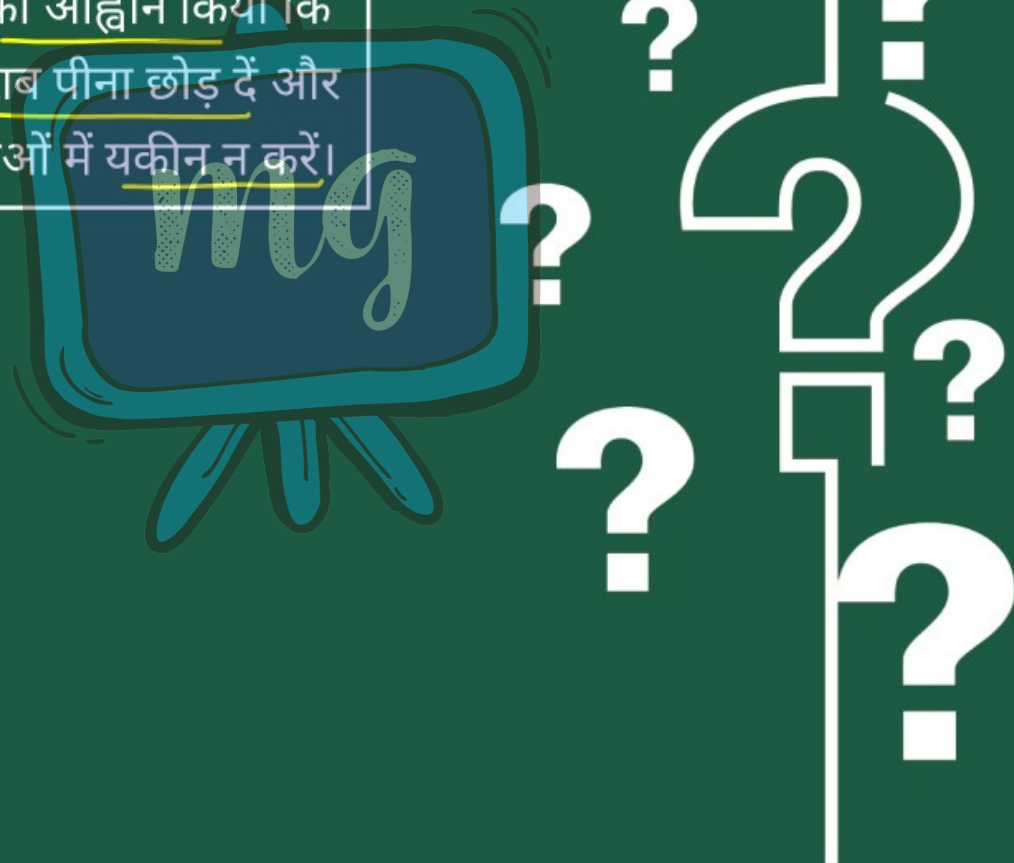


Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 (ग) बिरसा ने अपने अनुयायियों का आह्वान किया कि वे अपना शुद्धिकरण करें, शराब पीना छोड़ दें और डायन व जादू-टोने जैसी प्रथाओं में यकीन न करें।



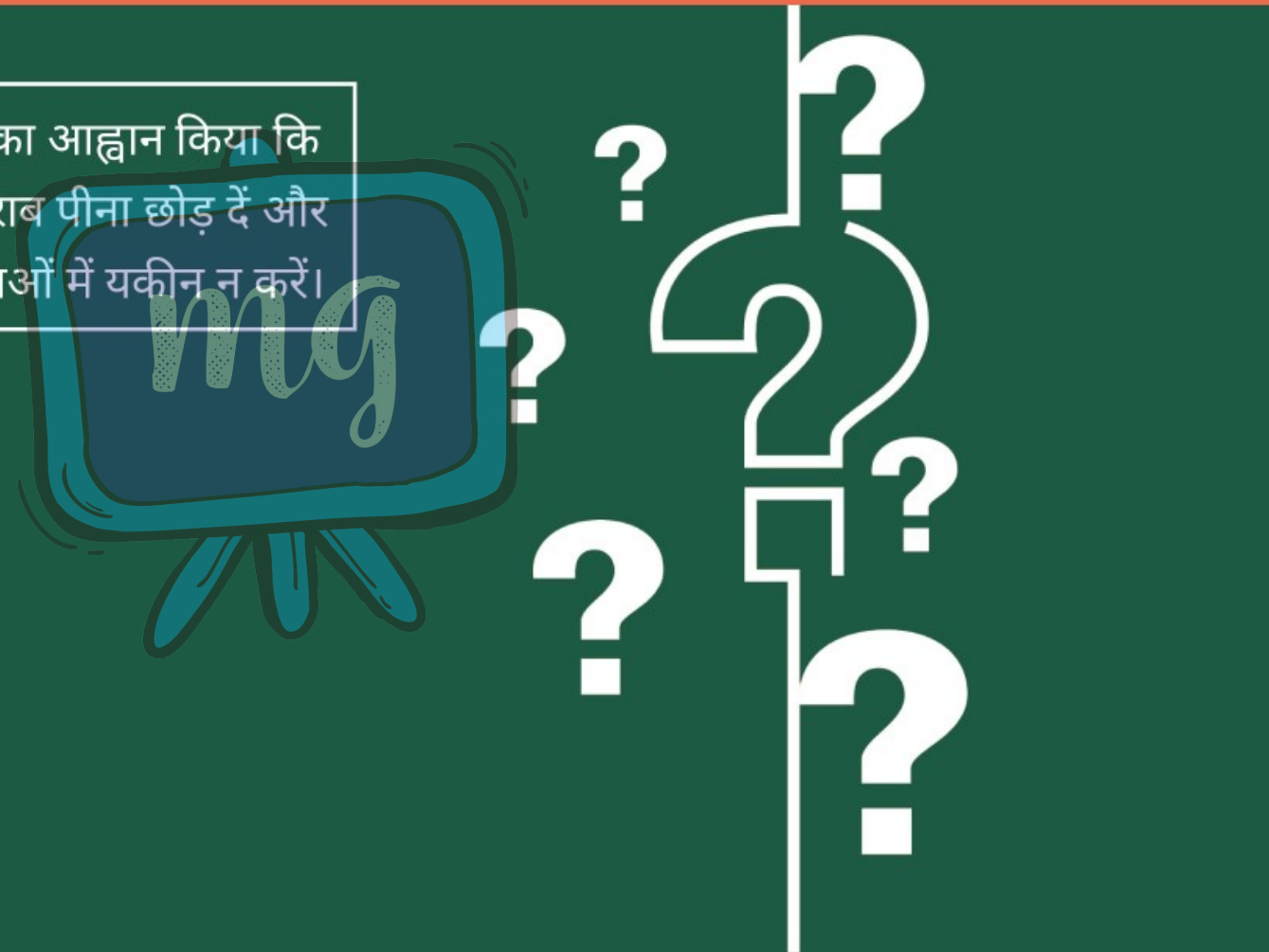
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 (ग) बिरसा ने अपने अनुयायियों का आह्वान किया कि वे अपना शुद्धिकरण करें, शराब पीना छोड़ दें और डायन व जादू-टोने जैसी प्रथाओं में यकीन न करें।

उत्तर : सही



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 (घ) अंग्रेज़ आदिवासियों की जीवन पद्धति को बचाए रखना चाहते थे।



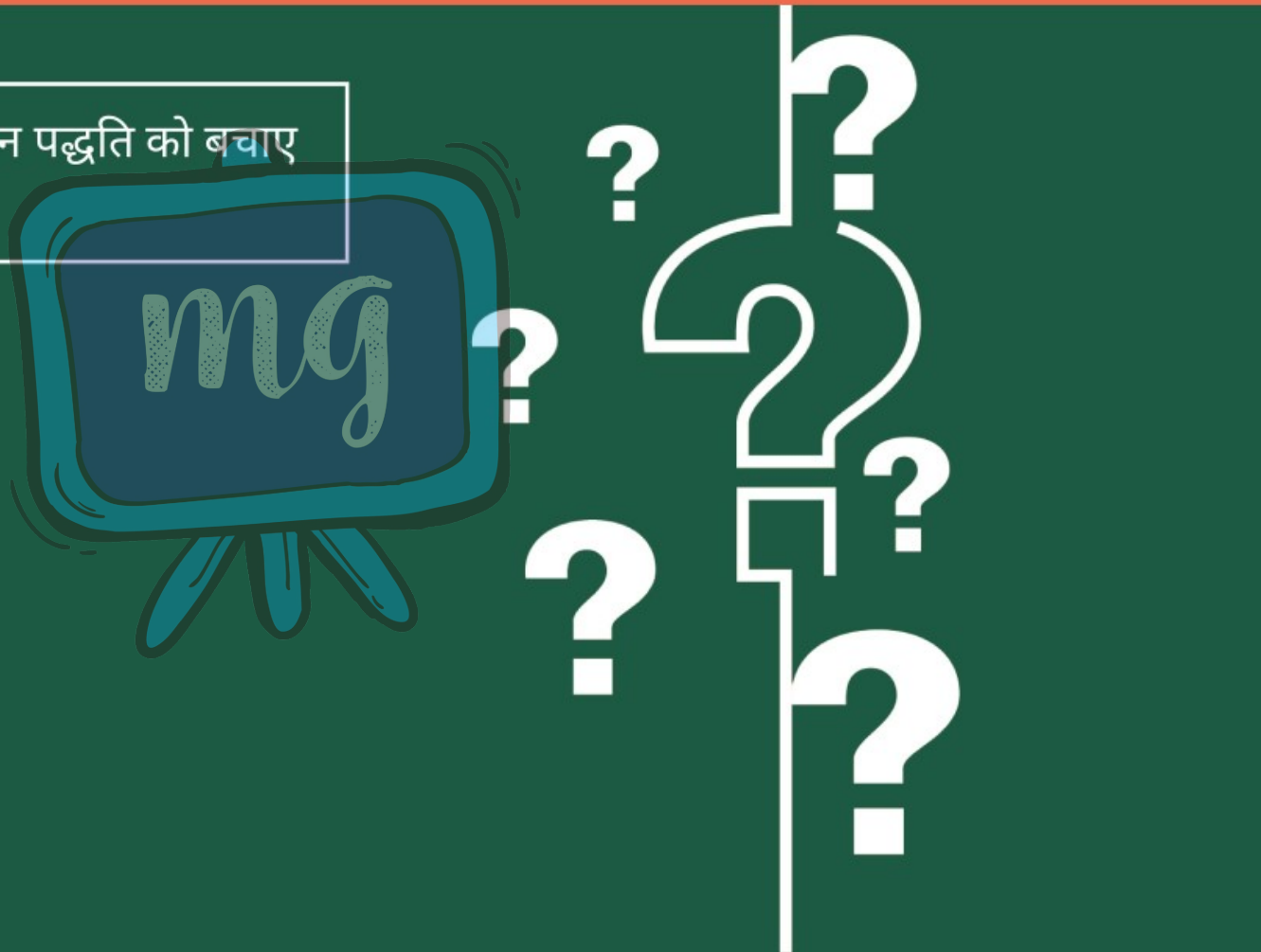
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 (घ) अंग्रेज़ आदिवासियों की जीवन पद्धति को बचाए रखना चाहते थे।

उत्तर : गलत



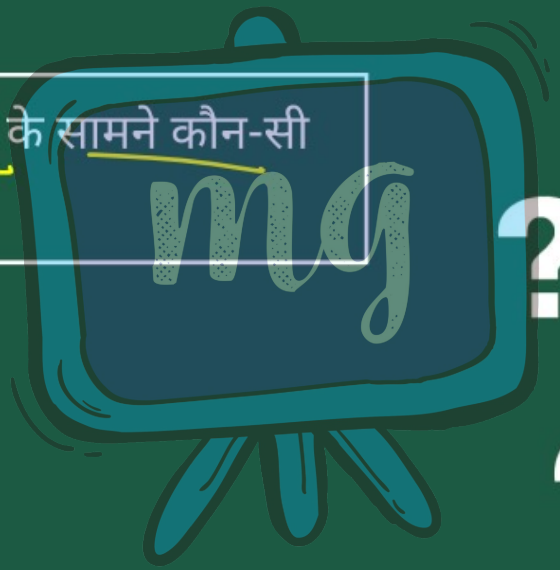
Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आइए विचार करें

3 | ब्रिटिश शासन में घुमंतू काश्तकारों के सामने कौन-सी समस्याएँ थीं?





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

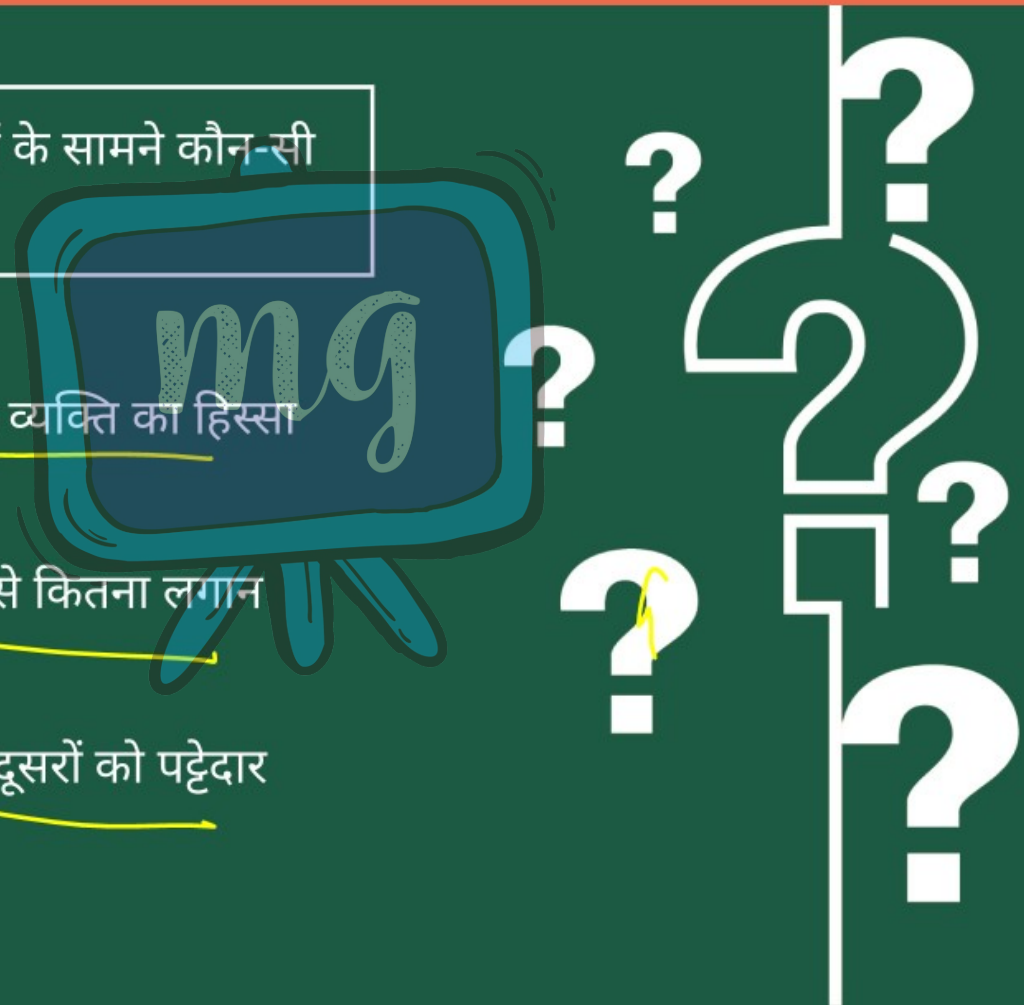
3 | ब्रिटिश शासन में घुमंतू काश्तकारों के सामने कौन-सी समस्याएँ थीं?

उत्तर :

i. उन्होंने जमीन को माप कर प्रति एक व्यक्ति का हिस्सा तय कर दिया।

ii. उन्होंने यह भी तय कर दिया की किसे कितना लगान देना होगा।

iii. कुछ ही किसानों को भू-स्वामी और दूसरों को पट्टेदार घोषित कर दिया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

iv. पट्टेदार अपने भू-स्वामियों का भाड़ा चुकाते थे और भू-स्वामी सरकार को लगान देते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4 | औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में क्या बदलाव आए?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4 | औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में क्या बदलाव आए?

उत्तर :

i. उन्हें कई गांवों पर जमीन का मालिकाना हक तो मिला, लेकिन उनकी शासकीय शक्तियाँ छीन लीं गई।

ii. उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा बनाये गए नियमों को मानने के लिए बाध्य कर दिया गया।

iii. उन्हें अंग्रेजों को नज़राना देना पड़ता था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

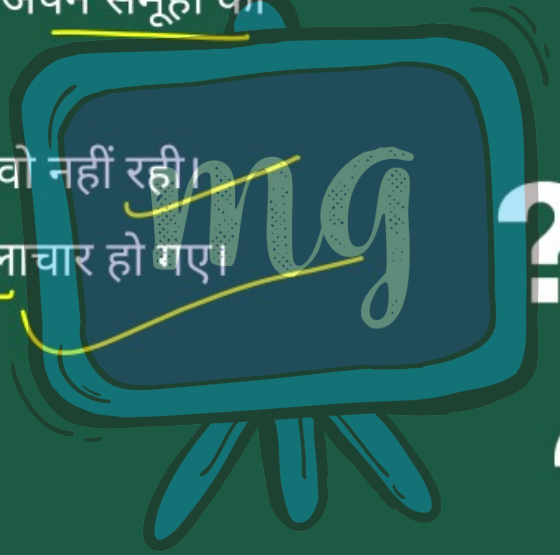
अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

iv. अंग्रेजों के प्रति निजी की हैसियत से अपने समूहों को अनुशासन में रखना होता था।

v. पहले उनके पास जो ताकत थी अब वो नहीं रही।

vi. परम्परागत कामों को करने के लिए लाचार हो गए।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5 दीकुओं से आदिवासियों के गुस्से के क्या कारण थे?

गैर आदिवासी
अंग्रेज़



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5 दीकुओं से आदिवासियों के गुस्से के क्या कारण थे?

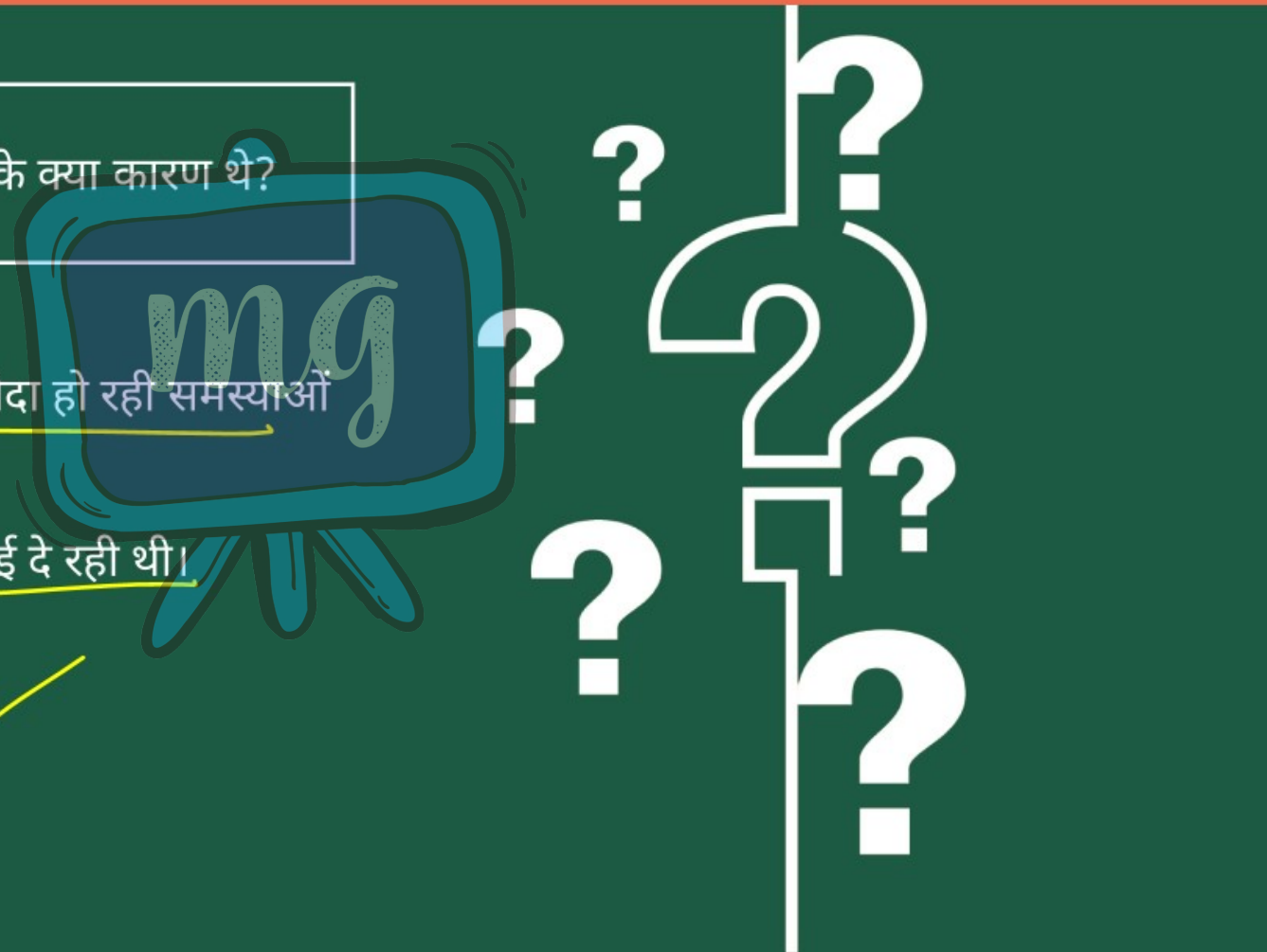
उत्तर :

i. आदिवासी अंग्रेज शासन के कारण पैदा हो रही समस्याओं से परेशान थे।

ii. उनकी जीवन पद्धति नष्ट होती दिखाई दे रही थी।

iii. उनकी आजीविका खतरे में थी।

iv. उनके धर्म छिन्न-भिन्न हो रहे थे।

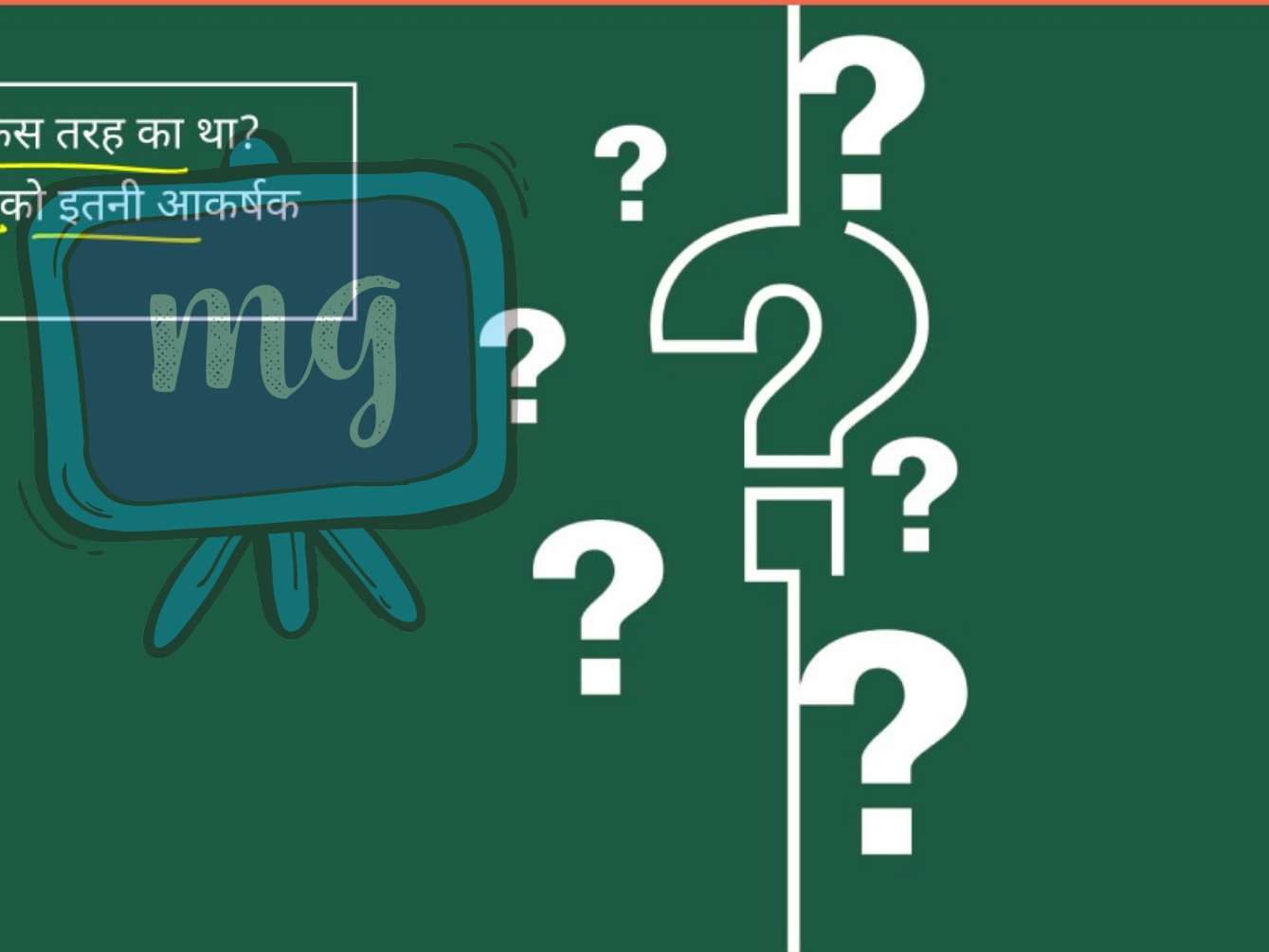


Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6 बिरसा की कल्पना में स्वर्ण युग किस तरह का था? आपकी राय में यह कल्पना लोगों को इतनी आकर्षक क्यों लग रही थी?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6 बिरसा की कल्पना में स्वर्ण युग किस तरह का था? आपकी राय में यह कल्पना लोगों को इतनी आकर्षक क्यों लग रही थी?

उत्तर :

☛ वे स्वर्ण युग "सतयुग" की चर्चा करते थे, जिसमें मुंडा लोग अच्छा जीवन जीते थे, पेड़ और बाग़ लगाते थे, पेट पालने के लिए खेती करते थे।

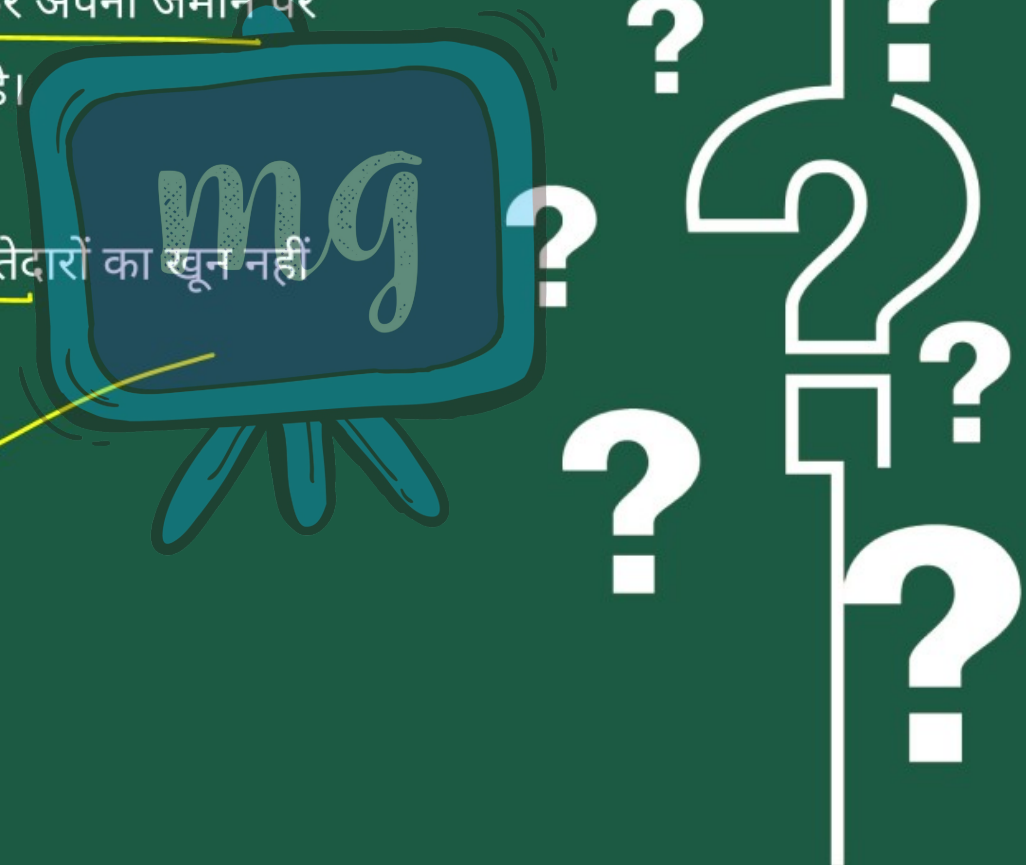


Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बिरसा चाहते थे कि लोग एक बार फिर अपनी जमीन पर खेती करे और एक जगह टिक कर रहे।
- वे अपने ही खेत पर काम करे।
- उस काल्पनिक युग में मुंडा अपने रिश्तेदारों का खून नहीं बहाते थे और ईमानदारी से रहते थे।



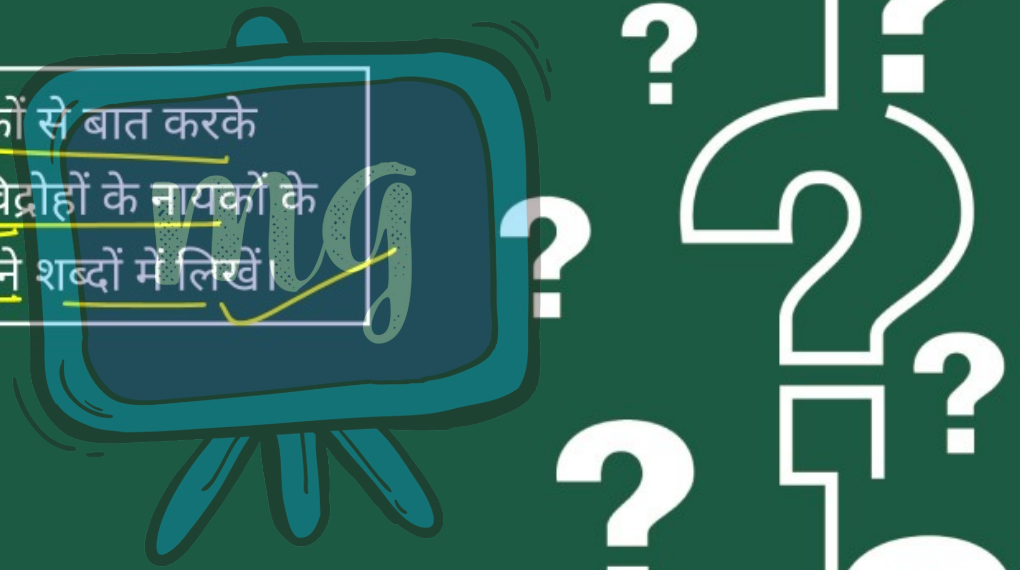
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आइए करके देखें

7 अपने माता-पिता दोस्तों या शिक्षकों से बात करके बीसवीं सदी के अन्य आदिवासी विद्रोहों के नायकों के नाम पता करें। उनकी कहानी अपने शब्दों में लिखें।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

7 अपने माता-पिता दोस्तों या शिक्षकों से बात करके बीसवीं सदी के अन्य आदिवासी विद्रोहों के नायकों के नाम पता करें। उनकी कहानी अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर : जात्रा

- जतरा उरांव का जन्म सितंबर 1888 में झारखंड के गुमला जिला के चिंगरी नवाटोली गांव में हुआ था।
- उनके पिता का नाम कोदल उरांव और माँ का नाम लिबरी था।
- वह झारखंड राज्य के एक जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनके नेतृत्व में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलन चलाया गया।
- उसने उरांव लोगों के बीच फैले अंधविश्वास तथा उनके द्वारा शराब पीने की जमकर आलोचना की।
- उनके इस धार्मिक आंदोलन ने 'कर नहीं आंदोलन' को जन्म दिया।
- जतरा ने घोषणा की कि उसके अनुयायी जमींदारों की जमीन नहीं जोतेंगे तथा कुली या मज़दूर के रूप में या सरकार के लिए काम नहीं करेंगे।

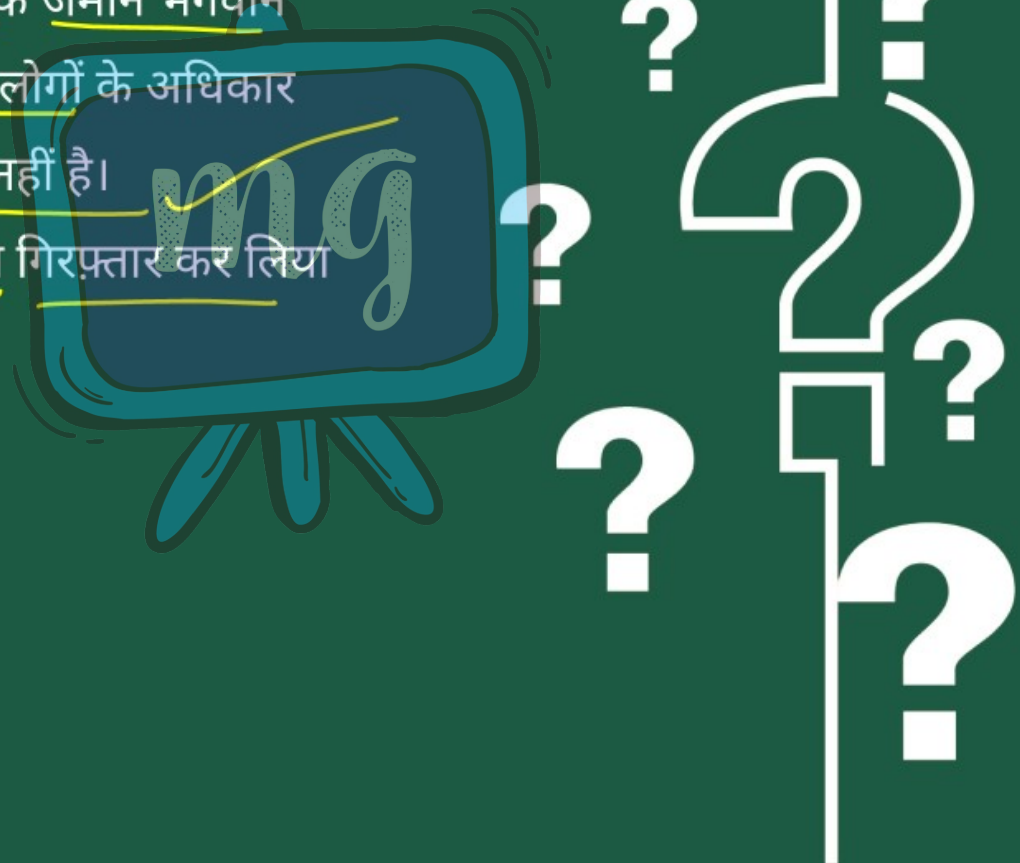


Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस आंदोलन का मौलिक विचार था कि जमीन भगवान की देन है तथा ज़मीन पर जनजातीय लोगों के अधिकार में दखल देने का किसी को अधिकार नहीं है।
- जतरा को उनके प्रमुख शिष्यों के साथ गिरफ़्तार कर लिया गया।

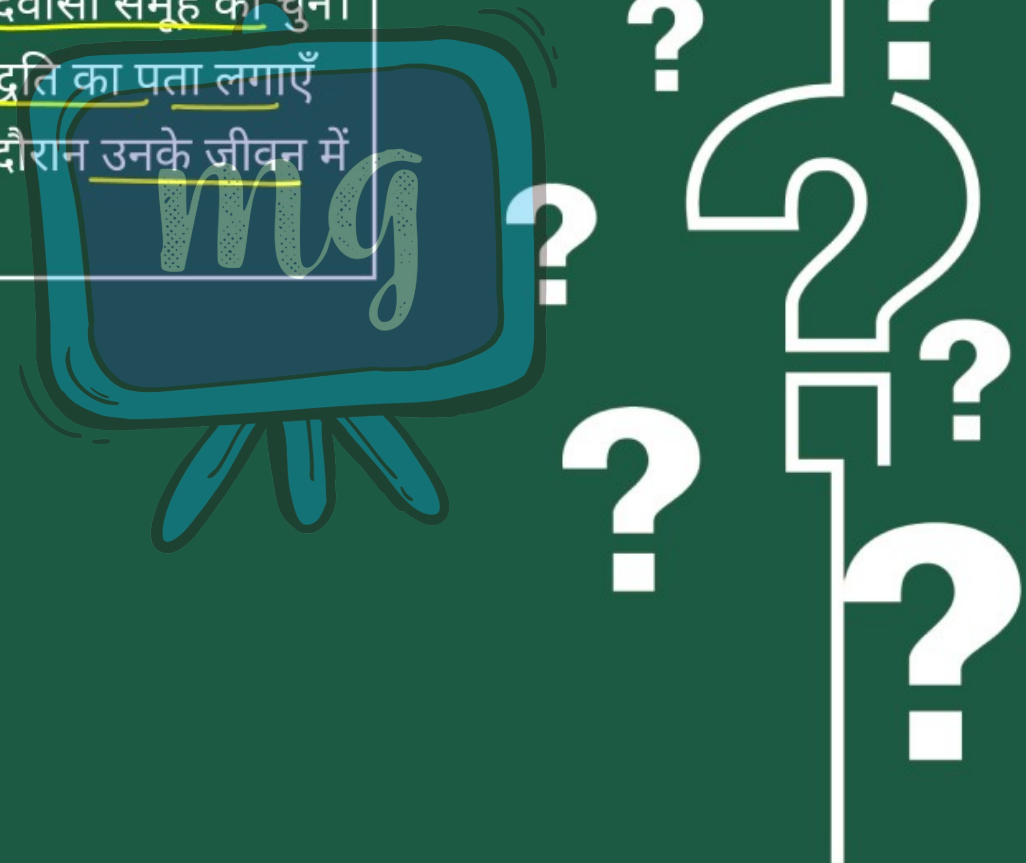


Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8 भारत में रहने वाले किसी भी आदिवासी समूह को चुनें। उनके रीति-रिवाज़ और जीवन पद्धति का पता लगाएँ और देखें कि पिछले 50 साल के दौरान उनके जीवन में क्या बदलाव आएँ हैं?

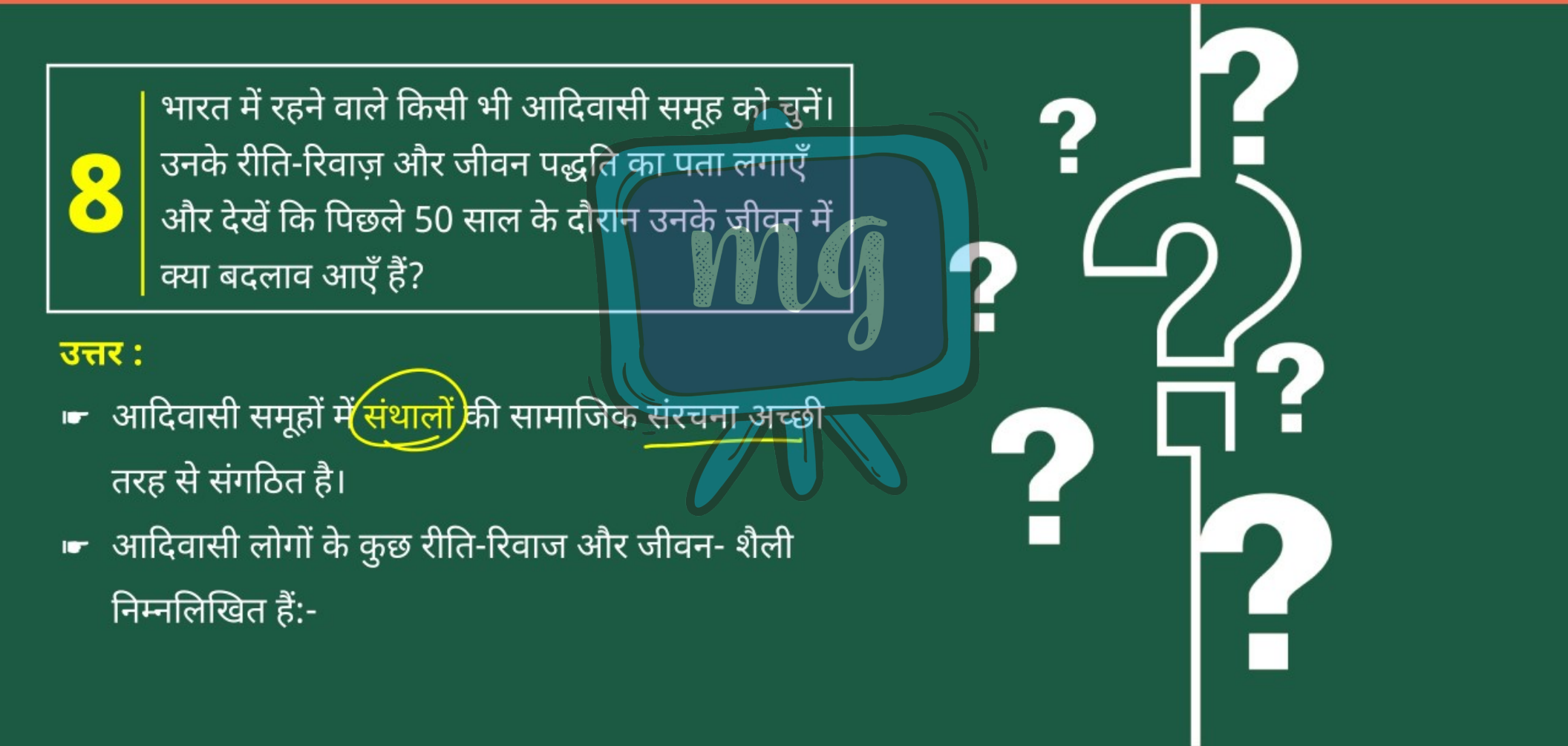


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

8 भारत में रहने वाले किसी भी आदिवासी समूह को चुनें। उनके रीति-रिवाज़ और जीवन पद्धति का पता लगाएँ और देखें कि पिछले 50 साल के दौरान उनके जीवन में क्या बदलाव आएँ हैं?



उत्तर :

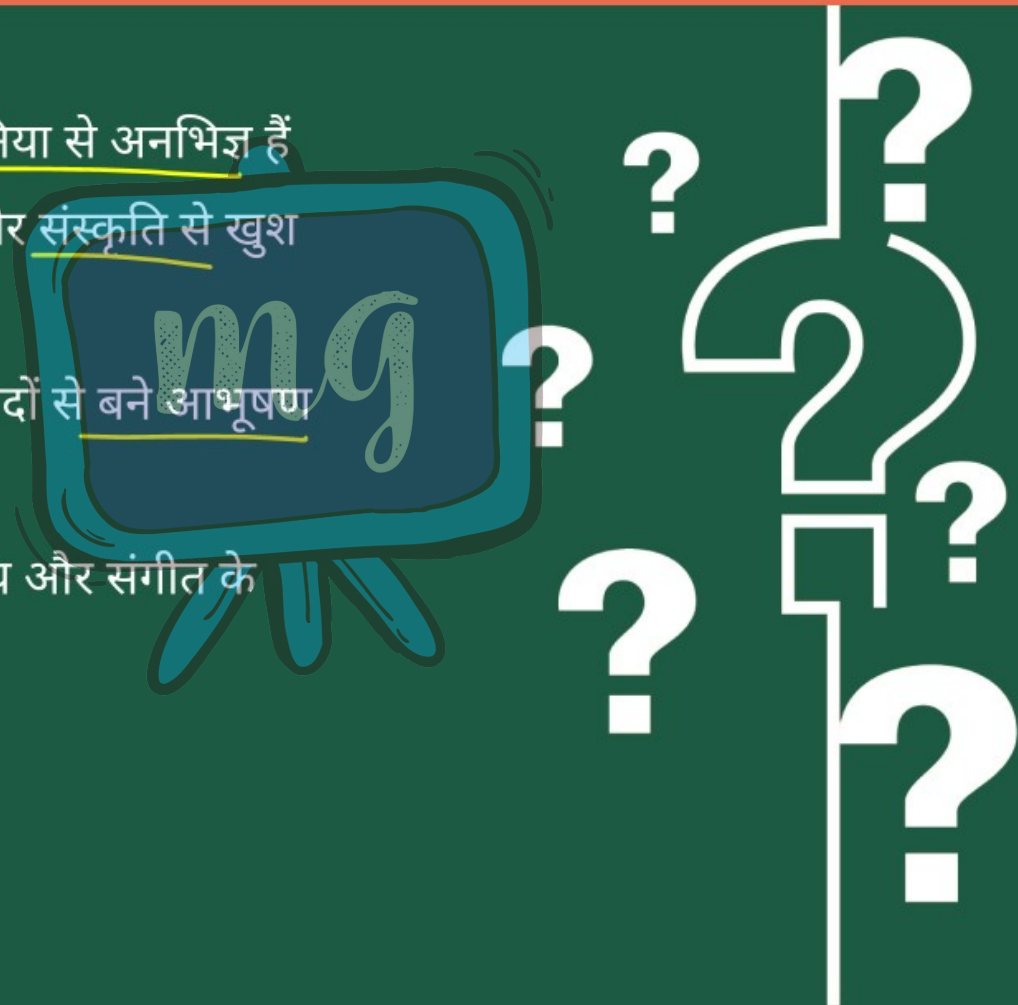
- आदिवासी समूहों में संथालों की सामाजिक संरचना अच्छी तरह से संगठित है।
- आदिवासी लोगों के कुछ रीति-रिवाज और जीवन- शैली निम्नलिखित हैं:-

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. अधिकांश आदिवासी लोग बाहरी दुनिया से अनभिज्ञ हैं और अपने रीति-रिवाजों, विश्वासों और संस्कृति से खुश हैं।
2. आदिवासी महिलाएं पशु या वन उत्पादों से बने आभूषण पहनने की शौकीन होती हैं।
3. आदिवासी लोग विविध प्रकार के नृत्य और संगीत के शौकीन हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. आदिवासी लोग विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में लगे हुए हैं।

- उनमें से कुछ लोग स्थानान्तरित खेती करते थे।
- कुछ लोग शिकारी-संग्राहक हैं।
- कुछ लोग पशु पालते थे।
- वे प्रकृति की शक्ति की पूजा करते थे।
- आजादी के बाद आदिवासियों के जीवन में काफी बदलाव आया है।
- वे अब समाज का अभिन्न अंग बन गए हैं।

